## खतमे कादरीया गोव्सीया ( तफ्सीली)

खतमे गोव्सीया की वह तरतीब जो हिन्दुस्तान में सिलसिला आलिया कादरिया अशरफिया के अक्सर बुजुर्गो खसूसन शमें बज्मे आरिफां , सिराज़े अहले तक्वा हजरत अल्लामा अबुल बरकात सय्यद ::अहमद:: कादरी अशरफी रजवी से मनसूब हें दर्जे झेल हे-इसका मुनासिब वकत हर रोज़ सुबहा शाम या जुमेरात को बाद नमाज़े मगरिब हे -इसे इज्तेमाई तोर पर पड़ा जाता हय लेकिन अगर अहबाब जमा न हो सकें तो तन्हा भी पड़ सकता हे - हर विरद की ताअदाद हस्बे इस्तेताअत व तोव्फीक हे

1 - अऊझु बिल्लाहि मिनश शयतानिर रजीम – बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम
अल्लाहुमा सल्ले अला सय्यिदना व मोव्लाना मुहम्मदिन मअदनील जुदे व्ल करमे
व आलेहिल किरामे व्बनेहिल करीमे व बारीक व सल्लिम

2 - सुबहानल्लाहे वलहमदु लिल्लाहे व लाइलाहा इल्लल्लाहो वल्लाहो अकबर व ला होवला वला कुव्वता इल्ला बील्लाहिलअलीय्यिल अझीम

3- सुरा अलहम्दु - यासीन - अलमनशरा - कुलहोवल्लाहोअहद दिल में पड़ें

3A- सुरा अलहम्दु x11 - यासीनx1 - अलमनशरा x11 - कुलहोवल्लाहोअहद x11 दिल में पड़ें

4 - या बाकि अन्त्लबाकी - या शाफी अन्त्शशाफी - या काफी अन्त्लकाफी-
या हादी अन्त्लहादी

5- या रसुलल्लाहे उनझुर हालना - या हबीबल्लाहे इसमअ कालना -
इनन्नी फी बहरे हमीम मुगरकुन - खुजयदि सहहिल लना इशकालना -

6 - या हबिब्ल इलाहा खुझबेयदि - मल इजझी सिवाका मुसतन्दी -

7 - या हजरत सुलतान शय्ख सय्येद शाह अबदुल क़ादीर
जिलानी शयअनलिल्लाह अल्म्दद

8 - माहेमा मोहताज तू हाज़ात रवा - अल्म्दद या गोव्से आझम सय्येदा -

9 - मुशकेलाते बेअदद दवारिम मा - अल्म्दद या गोव्से आझम पिरेमा -

10 - या हजरत सुलतान शय्ख सय्येद मोहयिद्दीन मुशकिलकुशा बी अमरिल्लाह

11 - या सय्येदना गोव्सुस्ससक्लेन अगीस्ना बी इझनील्लाह

12 - इमदादकुन इमदादकुन अझ रन्ज व गम आझादकुन
दर दिनवदुनिया शादकुन या गोव्से आझम दस्तगीर

13 - तुफेय्ल हजरत दस्तगीर दुशमन होवे झेर

14 - मुफ्लीसानिम् आम्दाह दर कूए तू - शयअनलिल्लाह अझ जमाले रुए तू
दस्ते बेकसा जानिबे झन्बीले मा - आफरीन बरदस्त व बरबाजुए तू

15- खुझबेयदि शयअनलिल्लाह या हझरत सुलतान शेय्ख
सय्येद अबदुल कादीर जिलानी अलमदद.

P T O

15A- खुझयदि या शाहे जिलान खुझयदि - शयअनलिल्लाह अन्त नुरुन अहमदी
16 - या सिद्दीक या उमर या उस्मान या हयदर - दफए शर -
कुन खेर आवर या शब्बीर या शब्बर
17 - फसहहील या इलाही कुल्ल सअबिन बेरहूमते सय्येदिल अबरारे सहहील
18 - अल्लाहो हाझेरी - अल्लाहो नाझेरी - अल्लाहो मअुई -
19 - बिस्मील्लाहीशशाफी - बिस्मील्लाहीलकाफी - बिस्मील्लाहील मुआफी -
20 - बिस्मील्लाहे , या हफीझु , या सलामु , या इमाम हुसैनो अलयहीस्सलाम ,
21 - ला इलाहा इल्लल्लाहो मुहम्म्दुर्रसुलुल्लाहे सल्ललललाहो तआला
अलय्हे व आलेहि व अन्सारेही व बारीक वसल्लिम - आमीन -

::: हजरत सय्यद सुलतान बाहू रहमतुल्लाह अलय्ह फरमाते हय
::: अगर कुर्बे इलाही चाहता हय तो दरगाहे जिलान का कुता बन जा
::: क्योंकी दरगाहे जिलान का कुत्ता शेरो से अफजल हय

यह खतम पढ़ कर , अपने लिए अवर कुल मोमिनो के लिए दुआ ए खेर करे इन्शा अल्लाह , दुआ कबुल होगी , मुश्कील , बीमारी तकलीफ से निजात मीलेगी आमीन

AM 98246 73363 date 12-07-2018